VISION IAS

www.visionias.in

SUBJECT:		Test Code:	1459
Name of Candidate	AAKIP KHAN		
Medium Hindi/Eng.	Hindi-Midium	Registration Number	256964
Center	Jaipur	Date	081220

INDEX TABLE

Q. No.	Page No.	Maximum Marks	Marks Obtained

Total Marks Obtained:

Remarks :

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
4. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में कियां गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
6. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

[SECTIAN A]

* साक्षरता, दुर्दशा से आशा तक पहुँचने का एक सेतु है। *

राम विलास, एक निर्धन और अकुशल श्रमिक है, जो की जनजातीय क्षेत्र मे निवास करता है।
वह एक दैनिक श्रम पर निर्भर श्रमिक है, और उसी से उसका व उसके परिवार का भरण-पोषण होता है।
लेकिन रामविलास का पुत्र भविष्य मे एक साक्षर व शिक्षित बनता है, और एक प्रतिष्ठित रोजगार प्राप्त करता है, जिससे उसके व उसके परिवार की दुर्दशा मे सुधार आता है, और वह एक सक्रीय जागरूक नागरिक के रूप मे सामने आता है, और उनकी अंधकार मय जिंदगी प्रकाशनुमा उजाले की खिडकी की रोशनी शुरु होति है।

इस प्रकार साक्षरता, दुर्दशा से आशा तक पहुँचने का एक सेतु है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त कथन मे हम साक्षरता के अनेक पहलुओ और रूपो का अध्ययन करते है, जिनमे आर्थिक सामाजिक, राजनीतिक आदि रूप सम्मिलित है।

इन्ही रूपो मे सामाजिक साक्षरता व इसका दुर्दशा से आशा के बीच पुल के मध्य संबंध नजर आता है।

साक्षरता सामाजिक क्षेत्र मे आशा की एक खिड़की

सामाजिक क्षेत्र मे असाक्षरता के प्रभाव देखे जाए तो गरीबी, निर्धनता, अजागरूकता, महिलाओ की दुर्दशा, कुपोषण व स्वास्थ्य का निम्न स्तर आदि नजर आते है।

यदि हमे इन खाईओ को बाँधना है, तो साक्षरता नामक एक पुल का निर्माण करना होगा, इससे महिला सशक्तिकरण होगा और समाज मे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लैंगिक समानता आएगी और सामाजिक विकास होगा, जो भीम राव अम्बेडकर साहब की पंक्तियों से स्पष्ट होता है-

मैं किसी समाज की प्रगति, उसमे महिलाओ की प्रगति से जॉचता हूँ

इसी प्रकार साक्षरता से नागरिक सेवा भी सुदृढ होती है, जो की स्वामी विवेकानंद की पंक्तियो से भी स्पष्ट होता है। जैसा की सोनम वांगचुक, आनंद कुमार के सामाजिक बदलावों से स्पष्ट होता है, जिससे गरीबो और निर्धनो को लाभ हुआ इसी प्रकार का बदलाव सत्य से फाउंडेशन के प्रयासो से आ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संप्रक मे सुधार आ रहा है। इस संबंध मे नेल्सन मंडेला जी की निम्न पंक्तियॉ उपयुक्त नजर आती है-

"शिक्षा (साक्षरता) से तुम दुनिया को बदल सकते हो"

इसी प्रकार साक्षरता का महत्व मात्रिक साक्षरता से

भी स्पष्ट होता है, जो आर्थिक क्षेत्रक से संबंधित है।

आर्थिक क्षेत्रक में असाक्षरता अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता को बढ़ाती है, साथ ही ऋणजाल संकट व साहूकारों के जाल में निर्धनों को फँसाती है।

वहीं साक्षरता के पुल से आशा की खिड़की खुलती है, और समाज में उद्यमिता, स्वरोजगार, नवाचार, आर्थिक व वित्तीय समावेशन का बढ़ावा मिलता है, इस संबंध में एका आंदोलन द्वारा भी जा रही व्यवहारात्मक गतिविधियाँ स्पष्ट नजर आ रही है।

इसी के साथ-साथ साक्षरता [राजनीतिक क्षेत्रक] में भी आशा का पुल हमें नजर आता है।

राजनीतिक साक्षरता से लोकतांत्रिक सुदृढ़ीकरण होता है, और सक्रीय नागरिक समाज का जन्म होता है, जो राजनीति में जवाबदेहिता व पारदर्शिता जैसे गुणों को सुदृढ़

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करती है।

साथ ही इससे राजनीति मे अपराधीकरण भी कम होता है, और आवश्यक राजनीतिक सुधार जैसे चुनावी वितीयन, योग्यता होते है। इस संबध मे विकसित देशो के समान अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करते है, और सर्वोच्च न्यायलय का हरियाणा मे शिक्षा की स्थानीय संस्थाओ मे अनिवार्यता पर निर्णय भी स्पष्टता लाता है।

साथ ही साक्षरता मे पर्यावरणीय साक्षरता के पहलू भी पर्यावरणीय दुर्दशा से अच्छा तक पहुचने का सेतु प्रदान करते है। इस संबध मे यदि हमे पर्यावरणीय साक्षरता है, तो महात्मा गाँधी की निम्न पंक्तियो का महत्व भी समझ मे आता है-

पृथ्वी हमारी आवश्यकताओ के लिए पर्याप्त है, लेकिन लालच के लिए नही

पर्यावरणीय साक्षरता के उदाहरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

देखे जाए तो फिनलैण्ड व यूरोप मे चले हाल ही को ~~[ग्रे]~~ ग्राइडे फोर फ्यूचर आंदोलन, उपयुक्त नजर आता है इसी प्रकार डिकैप्रियो फांउडेशन व हमारे देश मे अम्बिकापुर नगरपालिका क्षेत्र मे महिला SHG द्वारा पर्यावरण संरक्षण मे किया गया कार्य, इस आशा की खिड़की मे उजाला लाते है।

इसके अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र मे भी साक्षरता दुर्दशा से आशा तक पहुँचने का सेतु नजर आती है। वर्तमान मे ~~मे~~ विकासशील व अल्पविकसित देश पिछड़े व अज्ञानता है जिससे उनका शोषण नवउपनिवेशवाद के रूप मे विकसित देशो द्वारा किया जा रहा है, शरणार्थी संकट है, जलवायु परिवर्तन है व वैश्विक उष्मनिक्षो का मुद्दा है।

यदि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दो के सम्बन्ध मे साक्षरता होगी तो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~विकसित~~ इन देशो की जनता भी अपने हितो को समझ पायगी, और यह शोषण से बच सकेगी, साथ ही इसकी समाज संस्कृति का ~~भी~~ संरक्षण होगा. इस संदर्भ मे रवीन्द्रनाथ टैगोर जी की पंक्तियाँ उपयुक्त नजर आती है

शिक्षा (साक्षरता) वह है, जो हमारे जीवन मे समरसता लाती है, ~~और~~ इससे अन्तर्राष्ट्रीय मानवकारी हित पूर्ण होते है।

साक्षरता के उपरोक्त क्षेत्र के अलावा हमारे देश मे अपराधिक न्याय प्रणाली की साक्षरता की दुर्दशा से अभाव के बीच पुल का निर्माण करती है। ~~इसका~~ एक उदाहरण बिहार मे एक महिला की पुलिस हिरासत मे हुई मौत का मामला सामने आता है, ऐसा इसलिए हुआ है, की वह महिला विधिक रूप से असाक्षर थी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यदि विभिन्न मुद्दों में साक्षरता होगी तो पुलिस सुधार होंगे, सुशासन का जन्म होगा, न्यायिक सुधार होंगे और न्याय के न्याय व अन्याय के साथ सजा होगी, जो

हर जगह के न्याय, को प्रत्येक जगह के अन्याय से रोपित करेगी

इसी प्रकार यदि सुरक्षात्मक पहलु को देखा जाए तो आतंकवाद का एक कारण जनता व लोगों में असाक्षरता भी है, इसलिए यदि हमें आतंकवाद को रोकना है, तो इसके लिए साक्षरता आवश्यक है, इस संबंध मलाला युसुफजई की यह पंक्ति उपयुक्त नजर आती है

"गोली से हम आतंकवादी को खत्म कर सकते हैं, लेकिन शिक्षा (साक्षरता) से आतंकवाद को"।

इस प्रकार साक्षरता प्रत्येक आयाम में उदेश्यों से आशा के बीच एक पुल की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भाँति नजर आती है। लेकिन वर्तमान मे कम साक्षरता के पीछे अनेको कारण नजर आते है, जो इसकी संभावता को कम करते है।

असाक्षरता: विभिन्न ~~असंख्य~~ चुनौतियाँ

इस संबंध अवसंरचना जैसे संयोजकता, विद्यालय, टॉयलेट आदि का अभाव विभिन्न क्षेत्रों मे असाक्षरता का कारण बनता है।

इसके साथ ही अध्यापकों मे प्रशिक्षण का अभाव व संख्या की कमी (80:1) भी असाक्षरता का कारण है।

इसके अतिरिक्त बच्चो मे बाहर जाने की दर, जो की द्वितीयक स्तर पर 20% तक है, भी असाक्षरता का कारण है।

साथ ही शिक्षा गुणवत्ता का निम्न स्तर भी इसका एक कारण है, जैसा की प्रथम NGO की परिणामों से स्पष्ट होता है।

इसके अलावा समाजिक अंधविश्वास जो महिलाओ को शिक्षा

प्राप्त करने से रोकते है।

और अंत मे भौगोलिक रूप से सुदूर क्षेत्र व जनजातीयो मे भिन्न जागरूकता भी हमारे देश मे सभी प्रकार की असाक्षरता का कारक नजर आती है

इसलिए असाक्षरता के समापन के लिए अनेको समाधान दिये जाते है, जो इस आशा के पुल का निर्माण कर सके

साक्षरता : भविष्य की राह

साक्षरता मे सुधार के लिए प्राथमिक शिक्षा के सुदूर इलाको मे पहुँच आवश्यक है।

साथ ही अवसंरचनात्मक निर्माण, अध्यापको की संख्या मे वृद्धी, सामाजिक बदलावो की भी आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त साक्षरता के लिए व्यवहारात्मक बदलावो व नागरिक समाज के सक्रीय भागीदारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की भी आवश्यकता है, जैसे आनंद कुमार द्वारा निर्धन बच्चो को शिक्षा देकर किया गया।

असाक्षरता के समापन मे: सरकार के कदम

साक्षरता को एक पुल के रूप मे निर्मित करने के लिए सरकार ने भी अपने स्तर पर कदम उठाए है, जैसे जनजातिय क्षेत्रो मे एकलव्य मॉडल के विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सुकन्या समृद्धी योजना, बेटी बचाओ - बेटी पढाओ व हाल ही मे आई नई शिक्षा नीति - 2020 आदि सरकार की गंभीरता को स्पष्ट करते है।

साक्षरता: भविष्य की आशाओ के अनुरूप

उपरोक्त प्रकरण मे हमने साक्षरता के महत्व, चुनौतियो और सुझावो को समझा, जो स्पष्ट करते है की आशा की यह खिड़की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सभी प्रकार के बदलावो के लिए एक उपयुक्त साधन है।

भविष्य मे आशा की जाति है, की हमारा देश 100% साक्षर होगा, जिसमे प्रत्येक नागरिक आर्थिक क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र, राजनीतिक क्षेत्र मे साक्षर होकर अपने हितो व देश के हितो को साध सकेगा, जिससे एक सच्चे लोकतांत्रिक, लोक-कल्याणकारी समाज का निर्माण होगा, जिसमे अमर्त्य सेन के क्षमता मॉडल का पूर्ण उपयोग होगा।

यदि हम प्रत्येक राम विलास की जिंदगी मे प्रकाश लाना है, तो असाक्षरता को समाप्त करना होगा, इस संबंध मे, हमारे माननीय पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था —

शिक्षा देश व समाज की अति व गति को खत्म कर सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

[SECTION-B]

* [कृत्रिम बुद्धिमता : जोखिम और अवसर]

श्याम प्रसाद एक किसान है, जिसके पास कृत्रिम बुद्धिमता से युक्त उपकरण है, जो उसे मौसमी पूर्वानुमान देते है, फसलों के बाजार मूल्य की जानकारी देते है, मृदा के स्वास्थ्य के बारे मे बताते है, और उसे देश व दुनिया से जोडते है। और इससे श्याम एक समृद्ध व आधुनिक किसान बनता है, जो कृत्रिम बुद्धिमता के अवसर की खिडकी को स्पष्ट करता है।

वही दूसरी तरफ अमान एक कम्पनी मे कार्य करता है, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमता के आने से उसके कार्य के स्थान मशीने ले लेती है, जिससे उसका रोजगार छीनता है, और उस जैसे अनेको लोग बेरोजगार होते है, जो कृत्रिम

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बुद्धिमता के जोखिम की खिड़की को स्पष्ट करता है।
इस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमता हमारे मानवीय समाज के लिए मानसून के बादल के साथ-साथ तूफानी आपदा को लेकर आई है।
इस संदर्भ मे हमें कृत्रिम बुद्धिमता के अनेकों क्षेत्रों मे अवसर नजर आते हैं, जो मानवीय समाज को एक नई ऊँचाई तक ले जा सकते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमता : एक अवसर की खिड़की

कृत्रिम बुद्धिमता से तात्पर्य, कोई भी वह मशीन जो मानव की तरह सोच-समझ सके और मानवीय प्रकार्यों को अंजाम देते, इस संदर्भ मे कृत्रिम बुद्धिमता के सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आदि क्षेत्रों मे अवसर नजर आते हैं
कृत्रिम बुद्धिमता के आर्थिक क्षेत्र मे अनेकों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अवसर विद्यमान है, जैसे बैंकिंग क्षेत्र मे एक ऋण जोखिम के आकलन मे, शासन निर्माण के विश्लेषण मे, डेटा विश्लेषण मे आदि मे कार्य कर सकता है,

इसी प्रकार डिजिटल भुगतान मे भी कृत्रिम बुद्धिमता सहायक है, और वित्तीय तकनीकी को बढ़ावा देति है।

इसके अलावा कृषि क्षेत्र मे प्रीसिजन फार्मिंग मे, सिन्चाई मे, मृदा स्वास्थ्य विश्लेषण मे, मौसमी पूर्वानुमान आदि मे कृत्रिम बुद्धिमता की अवसर की खिड़की विद्यमान है।

इसके अलावा संसाधनो के सर्वेक्षण मे, उत्खनन मे प्रमुख संसाधनो की उपलब्धता मे भी कृत्रिम के अवसर विद्यमान है।

साथ ही आभासी मुद्रा (क्रिप्टोकरेंसी), ब्लॉक चेन, विनिमय क्षेत्र मे डेटा विश्लेषण, तुलना करने मे आदि जैसे आर्थिक क्षेत्रो मे कृत्रिम बुद्धीमता के अवसर व्याप्त है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसके अतिरिक्त शासन के क्षेत्र मे देखे तो कृत्रिम बुद्धिमता के अवसर ट्रैफिक प्रबंधन मे, फाइलो के डिजिटल रिकॉर्ड रखने मे, सम्पत्तियो के डिजटलीकरण मे, नागरिक भागीदारी व प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने मे, व नीति निर्माण मे कृत्रिम बुद्धिमता के अवसर के बादल व्याप्त है।

साथ ही यदि सामाजिक क्षेत्र मे कृत्रिम बुद्धिमता के अवसर देखे जाए तो वर्तमान मे बढते जनसांख्यिकी वृद्धीकरण के दौर मे वृद्ध जनसंख्या की देखभाल मे इसका उपयोग किया जा सकता है, स्वास्थ्य क्षेत्रो मे टेलि मेडिसिन, आभासी सर्जरी करने मे, कृत्रिम बुद्धिमता के अनेको अवसरो की विद्यमानता है।

सामाजिक क्षेत्र मे ही कृत्रिम बुद्धिमता नैतिक पुलिसिंग मे,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मनोवैज्ञानिक डॉक्टर्स की उपलब्धता मे,
घातक बीमारियो के पूर्वानुमान मे,
व ~~पिछडे~~ वर्गो के उत्थान मे
एक क्रांतिकारि बदलाव ला सकता है
जो कृत्रिम बुद्धिमता की इस क्षेत्र मे
अवसर की खिडकी को खोलता है।

साथ ही साथ
कृत्रिम बुद्धिमता के अवसर राजनीतिक
क्षेत्र मे भी व्याप्त है, जैसे
चुनावी वित्तीयन निगरानि मे, राजनीति
के अपराधीकरण के विश्लेषण मे,
चुनावो मे मतो की तीव्र गिनती मे,
EVM मशीन को अधिक लोचनशील
बनाने मे कृत्रिम बुद्धिमता के
अनेको अवसरो की विद्यमानता है।
राजनीतिक क्षेत्र मे
ही स्थानीय स्तर की संस्थाओ
मे वित्तीय साधन जुटाने मे, वहॅ
कर्मियो की उपलब्धता मे
कृत्रिम बुद्धिमता सहायक हो सकती
है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसी प्रकार पर्यावरणीय क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमता के अवसर हैं, जैसे हमारे देश में बाघ, हाथियों के आकलन में, प्राणी गलियारों के आकलन में, वनों में फोरस्ट पुलिस की जगह मशीनों की तैनाती में, जैव-विविधता पर जलवायु परिवर्तन व औद्योगिकता प्र.न. के प्रभावों के अध्ययन में कृत्रिम बुद्धिमता की अवसर की खिड़की का प्रकाश विद्यमान है।

इसके अलावा अवसंरचनात्मक क्षेत्र में भी कृत्रिम बुद्धिमता के अवसर विद्यमान हैं, जैसे रोड की डिजाइन में, हाइपरलूप तकनीक में, रेलवे सेवा को स्वचालित व तीव्र करने में, कार्गो ट्रैफिक के अध्ययन में, गैस अवसंरचना वितरण के आकलन में कृत्रिम बुद्धिमता के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनेकों अवसरों की विद्यमानता है।
साथ ही साथ
शिक्षा के क्षेत्र मे अध्यापक की तरह कार्य करने मे, छात्र अनुकूल अध्ययन बनाने मे, शिक्षा मे तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने मे, उद्यमिता को बढ़ाने मे, ICT के उपयोग मे कृत्रिम उद्यमिता के अवसर की खिड़की के द्वार खुले हुए है।
इसके अतिरिक्त भविष्य की तकनीकों के आधार के रूप मे भी कृत्रिम बुद्धिमता के अवसरों की विद्यमानता है, जैसे मशीन लर्निंग मे, ऐज कम्प्युटिंग मे, क्रिप्टोकरेंसी मे, ब्लॉकचेन मे, इंटरनेट ऑफ थिंग्स मे, अंतरिक्ष क्षेत्र मे कृत्रिम बुद्धिमता एक आधार तकनीक के रूप मे कार्य कर सकती है, जो कृत्रिम बुद्धिमता के अवसरों को दर्शाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कृत्रिम बुद्धिमता : अधंकार के बादल

कृत्रिम बुद्धिमता हर तकनीक के तरह अपने साथ भी अनेको चुनौतियो को लेकर आई है, जो नैतिक, समाजिक, राजनीतिक क्षेत्रो आदि मे इसके प्रभावो से स्पष्ट होति है। इनमे [राजनीतिक क्षेत्र] प्रमुख है।

राजनीतिक क्षेत्र मे कृत्रिम बुद्धिमता के जोखिमो को देखा जाए तो सोशल मीडिया के माध्यम से चुनावी धांधलेबाजी की जा सकती है, जैसा की USA मे 2016 मे फेसबुक एनालिटिका मामले मे देखा गया। साथ ही [डीप फेक] के माध्यम से राजनेताओ के चरित्र पर भी लांछन लगाने का प्रयास किया जा सकता है और चुनावी लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

इसी प्रकार [आर्थिक क्षेत्र] मे भी कृत्रिम बुद्धिमता के जोखिमो की व्यापकता है,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे रोजगार छिनने का डर, इससे WEF के अनुसार करोडो नौकरियो के जाने का डर है, साथ ही यह इसके अनुप्रयोग में असमानता से [आर्थिक असमानता] की खाई को भी चौडा करती है। जो पहले ही अधिक है [शीर्ष 1% जनसंख्या पर 50% से अधिक वैश्विक सम्पत्ती है]

इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमता के [सामाजिक खतरे] मे भी जोखिम व्याप्त है, जैसे यह व्यक्तिवाद को बढावा देगी, जिससे सामाजिक सम्बन्धो का महत्व कम होगा, साथ ही यह मानवीय भावनाओ के स्थान पर भौतिकतावाद को सुदृढ करेगी, इस मानव - मानव सम्बन्धो का स्थान मानव - मशीन सम्बन्ध ले लेगे जो भविष्य मे मनोवैज्ञानिक विकार का भी कारण बन सकती है।

इसके अलावा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर्यावरणीय क्षेत्र मे भी इसके जोखिम है, जैसे इससे मानव-पर्यावरण संबंध विक्षुब्ध हो सकते है, और मानव आभासी पर्यावरण की कल्पना मे अपना जीवन काटने को प्रेरित होगा और वास्तविकता से दूर होगा।

साथ ही कृत्रिम बुद्धिमता समाज मे महिलाओ के अधिकारो को भी प्रभावित कर सकती है, जैसे महिलाओ के प्रति हिंसा के लिए डीप फेक का उपयोग, पोर्नोग्राफी वीडियो का प्रसारण, महिलाओ को ब्लैकमेल करना, यौन शोषण के अपराधो को छुपाना आदि इसके प्रभावो को स्पष्ट करती है।

साथ ही कृत्रिम बुद्धिमता के जोखिमो मे सुरक्षात्मक जोखिम भी विद्यमान है, जैसे

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आतंकी वित्तीयन के लिए साइबर हमलों का इस्तेमाल, आभासी चैनलों की विद्यमान (डीप फेक) आतंकियों के लिए आभासी पहुँच, अपनी विचारधारा का प्रसार, संवेदनशील सूचनाओं की चोरी व क्रिप्टो करेंसी का उपयोग मानव तस्करी व संगठित अपराध में आसानी से किया जा सकता है।

उपरोक्त प्रकरण में हमें कृत्रिम बुद्धिमता के सिक्के के दोनों पहलू नजर आए, आवश्यकता है, की कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग मानवीय नैतिक मूल्यों, मानदण्डों के अनुरूप किया जाए, साथ ही तकनीक के अनुप्रयोग से पहले पर्याप्त अध्ययन हो।

कृत्रिम बुद्धिमता मानवीय क्रांतियों में. वर्तमान में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

एक क्रांतिकारी बदलाव का मूल हो सकती है, आशा की जाती है, की यह तकनीक मानव के समरस अस्तित्व को बनाए रखेगी, जिससे शासन-सुशासन मे, अर्थव्यवस्था मे, राजनीति मे सकारात्मक बदलाव उत्पन्न होगें।

सरकार ने भी इसको बढ़ावा देने के लिए साइबर-फिजिकल पर राष्ट्रीय मिशन, नीति आयोग द्वारा परिपत्र जारी करना, क्वांटम तकनीक पर मिशन जैसे कार्यक्रम चलाये है।

यदि हमे कृत्रिम बुद्धिमता के श्याम प्रसाद जैसे लोगो के सकारात्मक उपयोग को ही बनाए रखना है, तो हमे — इस तकनीक मे आशा के बादल

— प्रकाश की खिड़की ।।

— व उनका मानवीय उपयोग

एक सुंदर धारा के समान करना होगा ।।

बाकी सभी लोक समस्ता सुखिनो भवन्तु रहे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अवसर

- सामाजिक
  - वृद्धजनों की देखभाल
  - स्वास्थ्य क्षेत्र (टेली मेडिसिन, सर्जरी etc)
  - मानव-अनुकृति
- आर्थिक
  - तीव्र & दक्ष कार्य
  - विनिर्माण ↑
  - संसाधनों का सदुपयोग & पहचान, इंजिन
  - आगामी पीढ़ी
- कमी सूचक / वित्तीय क्षेत्र
  - बैंकिंग
  - डिजिटल पेमेंट
- राजनीतिक
  - चुनावी निगरानी
  - पारदर्शिता ↑↑
- पर्यावरणीय
  - आकलन में (R.O.के)
  - समावेशी समाधान खोजने में
- शासन
  - ट्रैफिक system
  - online न्यायप्रणाली
  - रिकॉर्ड रखने में
  - नीति निर्माण
  - योजनाओं → प्रतिक्रिया में
  - रोबोटिक पुलिस (केरल)
- Infra
  - Transport & comm
  - Road design
  - Hyper loop

आगामी तकनीकों में

- क्वांटम टेक्नोलॉजी
- एज computing
- मशीन लर्निंग
- ब्लॉकचेन
- IOT
- space
- आदि में

End with

- conclude
- भविष्य
- character with # लोक समता सुखिनो भवन्तु

* कृत्रिम बुद्धिमता : जोखिम और अवसर

→ Intro → A FARMER

जिससे उसका विकास होता है
- → प्रति रचना
- → सलाह
- → बाजार पहुँच
- → मृदा संरक्षण

a 2nd from a computer — जो स्वयं में उत्पादित करता है

मानव अस्तित्व को खतरा हो

↕ What is A.I. ⇒ 1 para

A.I.

→ नैतिक मुद्दे
- → इसके उपयोग
- → आदि

→ जोखिम

आर्थिक मुद्दे
- → रोजगार ↓↓ (WEF की रिपोर्ट)

सामाजिक
- → मानव अस्तित्व
- → सामाजिक अलगाव
- → मनोवैज्ञानिक प्रभाव

UNEP
- → मानव-प्रकृति संबंध
- → राजनीति (election में धांधलेबाजी (डीपफेक, आदि)

→ महिलाओं
- महिला शोषण व हिंसा (डीपफेक, पोर्नोग्राफी)

→ सुरक्षा
- संवेदनशील रचनाओं की चोरी
- साइबर हमले — cryptocurrency funding
- आतंकवाद — through S.M.
- money laundering

(6) (2) (9)

Para divisn → 9 → 6 (क्षेत्र) → 1 (chall...) → 1 (सुझाव) → 1 (Govt efforts)

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Quots

- सुरक्षा — मलाला युसुफजाई
- आर्थिक क्षेत्र — M.G.
- अन्तर्राष्ट्रवाद → R.N.T.
  - → नागरिक सेवा — S.V.N.
- चरित्र बदलाव → Nelson Mandela, Bruce Lee
- सामाजिक क्षेत्र — B.R.A.
- पर्यावरण — अनेक

साक्षरता

Case studies

- सत्य से Foundn खालका
- आनंद कुमार — नागरिक सेवा
- सोनम वांगचुक — नागरिक सेवा
- एका आंदोलन → आर्थिक क्षेत्र & व्यावसायिक
- MKSS — RTI → राजनीतिक क्षेत्र
- CJs → BIHAR cap (Gift इंधन)
- अम्बिकापुर — women SHG on ठोस कचरा

Govt efforts — various progs

end with → conclude → आशाएं → APJ Abdul Kalam lines with charactor

Challenges

- Infra (संयोजकता, स्कूल, टॉयलेट etc)
- Teacher/student (30:1)
- dropout rate (secondr — 20%, u.e. 26% मार्गदर्शक)
- गुणवत्ता X (प्रथम NAD)
- सामाजिक अंधविश्वास (regard women)
- पिछड़े क्षेत्र (Tribal, पहाड़ी etc) / इलाके

→ SAME → सुझाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

साक्षरता, दुर्दशा से आशा तक पहुँचने का एक सेतु है।

Intro → CHARector
↓
रामविलास → मसाक्षर है
↓
निर्धन & गरीब है व दैनिक काम पर निर्भर

साक्षरता

पुत्र → become an engineer
↓
आशा, जागरूकता, सम्मान ↑ & पारिवारिक दशा ↑

Thus it is bridge

body → अन्तर्राष्ट्रीय → विकासशील / विकसित देश

शरणार्थी संकट
सुरक्षा (आतंकवाद)
UN सुधार / WTO
वैश्विक नागरिक

आर्थिक क्षेत्र
↓
Literacy → वित्तीय ज्ञान ↑ / औपचारिक ऋण ↑
→ Loan & मनरेगा आदि
↓
- औपचारिक ऋण
- उद्यमिता व कौशल
- रोजगार के साधन

सामाजिक क्षेत्र
- असाक्षरता
→ महिलाओं का दुर्दशा
→ कुपोषण
→ निम्न जागरूकता
→ महिला सशक्तिकरण (B.B.B.P. quota) → S.C. निर्णय HR पंचायत
→ सक्रिय नागरिक समाज → USA & other dev
→ आदि
→ चरित्र का निर्माण
↓
नेल्सन मंडेला quat

राजनीतिक
- लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण
- भागीदारी & जवाबदेही
- चुनावी सुधार
- राजनीति का अपराधीकरण
- भ्रष्टाचार
- नेमस ↓↓

पर्यावरणीय
- जलवायु परिवर्तन (ग्लोबल warming)
- (जैवविविधता संरक्षण)
- पर्यावरणवाद
- ↑CF (Climate) friendly
- पर्यावरणीय